बी.एस.ओ.सी.-134 : समाजशास्त्रीय अनुसंधान की विधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

कार्यक्रम कोड : BAG/ BAM
पाठ्यक्रम कोडः **BSOC-134**
सत्रीय कार्य कोड : **बी.एस.ओ.सी. -134 /ए.एस.एस.टी./TMA/2026-27**
अधिकतम अंकः **100**

नोटः यह सत्रीय कार्य तीन भागों में विभाजित हैं।

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

1. सिद्धांत (Theory) को परिभाषित कीजिए और सिद्धांत तथा अनुसंधान के बीच संबंध की व्याख्या कीजिए। 20

2. गुणात्मक (Qualitative) और मात्रात्मक (Quantitative) अनुसंधान के बीच के अंतर को बताइए। 20

सत्रीय कार्य – II

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

3. वस्तुनिष्ठता (Objectivity) पर दुर्खीम के विचार की व्याख्या कीजिए। 10

4. रिफ्लेक्सिविटी पर गारफिंकल के विचारों का विस्तार से चर्चा कीजिए। 10

5. एथ्नोमेथोडोलॉजी की चर्चा कीजिए। 10

सत्रीय कार्य – III

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है।

6. आगमनात्मक (Inductive) और निगमनात्मक (Deductive) विधियों पर टिप्पणी लिखें। 06

7. स्टैंडपॉइंट सिद्धांत की चर्चा करें। 06

8. प्रश्नावली पर टिप्पणी लिखें। 06

9. वेबर की तुलनात्मक विश्लेषण (Comparative Analysis) की चर्चा करें। 06

10. ICT क्या है और सामाजिक अनुसंधान में इसके अनुप्रयोग क्या हैं? 06

1. सिद्धांत (Theory) को परिभाषित कीजिए और सिद्धांत तथा अनुसंधान के बीच संबंध की व्याख्या कीजिए।

उत्तर

प्रस्तावना एवं सिद्धांत का अर्थ

समाजशास्त्र में सिद्धांत सामाजिक जीवन को समझने का ऐसा व्यवस्थित बौद्धिक ढाँचा है जो अलग-अलग घटनाओं, व्यवहारों और संस्थाओं के बीच विद्यमान संबंधों की व्याख्या करता है। केवल तथ्यों का संग्रह सिद्धांत नहीं कहलाता; सिद्धांत यह समझाने का प्रयास करता है कि कोई सामाजिक घटना क्यों घटती है, किन परिस्थितियों में बदलती है और उसका दूसरी घटनाओं से क्या संबंध है। उदाहरण के लिए, बेरोजगारी, शिक्षा और सामाजिक असमानता के आँकड़े तथ्य हैं; किंतु वर्ग-संबंधों, अवसरों और संस्थागत बाधाओं को जोड़कर असमानता की व्याख्या करना सैद्धांतिक कार्य है। इसलिए सिद्धांत अवधारणाओं, परिभाषाओं, मान्यताओं और परस्पर संबंधित कथनों का संगठित समूह है।

सिद्धांत की विशेषताएँ

पहली विशेषता वैचारिक स्पष्टता है। ‘वर्ग’, ‘प्रस्थिति’, ‘भूमिका’, ‘सामाजिक पूँजी’ और ‘शक्ति’ जैसी अवधारणाओं का अर्थ बताए बिना विश्लेषण अस्पष्ट रहेगा। दूसरी विशेषता तार्किक संगति है; सिद्धांत के कथन आपस में विरोधी न होकर समझने योग्य संबंध बनाते हैं। तीसरी विशेषता व्याख्यात्मक क्षमता है, जिससे घटनाओं के पीछे कार्य करने वाली सामाजिक प्रक्रियाओं को समझा जाता है। चौथी विशेषता अनुभवजन्य जाँच से संबंध है। सभी समाजशास्त्रीय सिद्धांत सीधे सरल प्रयोग से नहीं जाँचे जा सकते, फिर भी उनका अनुभव और साक्ष्य के साथ संवाद होना चाहिए। पाँचवीं विशेषता सीमित सामान्यीकरण है: सिद्धांत कुछ समान परिस्थितियों को समझाने में सहायक हो सकता है, लेकिन उसे हर समाज और काल पर यांत्रिक रूप से लागू नहीं किया जा सकता।

समाजशास्त्रीय अनुसंधान का अर्थ

अनुसंधान किसी प्रश्न के व्यवस्थित, प्रमाण-आधारित और आलोचनात्मक अध्ययन की प्रक्रिया है। इसमें समस्या का निर्धारण, पूर्ववर्ती साहित्य का अध्ययन, उपयुक्त विधि का चुनाव, तथ्य-संग्रह, विश्लेषण और निष्कर्ष शामिल होते हैं। साक्षात्कार, सर्वेक्षण, सहभागिता-अवलोकन, दस्तावेजों का